Topic.....Date.....7.....

पाठ योजना

छात्राध्यापिका का नाम :
अनुक्रमांक :
विषय : सामाजिक अध्ययन
उपविषय : प्रथम विश्व युद्ध

कक्षा : 8B
अवधि : 35 मिनट
दिनांक :

अन्वेषनात्मक उद्देश्य

छात्रों से अपेक्षा की जाती है कि वे :

ज्ञानात्मक उद्देश्य

i) छात्रों को प्रथम विश्व युद्ध के कारणों का ज्ञान देना।
ii) छात्रों को प्रथम विश्व युद्ध में होने वाले विनाश का ज्ञान होगा।

बोधात्मक उद्देश्य

(i) छात्र प्रथम विश्वयुद्ध से संबंधित विभिन्न तथ्यों का बोध करेंगे।
(ii) छात्र प्रथम विश्वयुद्ध के समय की राजनैतिक परिस्थितियों का बोध प्राप्त कर सकेंगे।

प्रयोगात्मक उद्देश्य

i) छात्र प्रथम विश्व युद्ध की समीक्षा कर सकेंगे।
ii) प्रथम विश्व युद्ध के प्रभावों को जानकर भविष्य में युद्ध नीति से बचने का प्रयास करेंगे।

Teacher's Sign .....

Pragya College of Education

सहायक सामग्री

श्यामपट्ट, चॉक, झाड़न, मानचित्र, और संकेतिका

पूर्वज्ञान परीक्षण

छात्र प्रथम विश्व युद्ध के विषय में अल्पज्ञान रखते हैं

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
* छात्राध्यापिका साम्राज्यवाद का उद्देश्य एवं उदय किन कारणों से उदय।	औद्योगिक क्रांति के कारण
* 18वीं शताब्दी में यूरोपीय देशों में युद्धों के क्या कारण थे?	साम्राज्यवाद का विकास
* प्रथम विश्वयुद्ध के क्या कारण थे?	समस्यात्मक प्रश्न

Pragya College of Education

Topic..... Date..... 9

उद्देश्य की घोषणा

प्रिय बच्चों आज हम प्रथम विश्वयुद्ध का अध्ययन विस्तार पूर्वक करेंगे।

प्रस्तुतीकरण

शिक्षण बिन्दु	छात्रा अध्यापिका क्रियाएँ	~~छात्र क्रियाएँ~~	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट कार्य
प्रथम विश्व युद्ध	प्रिय छात्रों 1914 से लेकर 1919 ई० तक चलने वाला यह प्रथम विश्वयुद्ध था जिसमें अनेक देशों ने भाग लिया था यह अब तक का सबसे महत्वपूर्ण व विनाशकारी युद्ध था इस युद्ध के पश्चात सभी देशों में हथियारों के विकास की होड़ लग गई थी द्वितीय विश्व युद्ध इसी युद्ध का परिणाम था।		छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे हैं।	प्रथम विश्व युद्ध 1914 से लेकर 1919 तक चलने वाला यह प्रथम विश्व युद्ध था जिसमें अनेक देशों ने भाग लिया

Pragya College of Education

Topic..... Date..... 10

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट कार्य
कारण	प्रथम विश्वयुद्ध के मुख्य कारण हैं - i) साम्राज्यवादी टकराव ii) यूरोप में संघर्ष (iii) फ्रांस तथा जर्मनी के बीच संघर्ष (iv) गुटों का निर्माण (v) तत्कालिक कारण	छात्र अपनी कॉपी में नोट कर रहे हैं	प्रथम विश्वयुद्ध के कारण * साम्राज्यवादी टकराव * यूरोप में संघर्ष * फ्रांस तथा जर्मनी के बीच संघर्ष * गुटों का निर्माण * तत्कालिक कारण
साम्राज्यवादी टकराव	प्रथम विश्वयुद्ध के लिए साम्राज्यवादी टकराव एक प्रमुख कारण था। 20वीं शताब्दी के आरम्भ तक सभी विकसित यूरोपीय देशों ने अपने साम्राज्यवाद का विस्तार कर लिया था। जर्मनी इस दौड़ में देर से आया था तथा उसके साम्राज्यवाद के प्रसार का एक मात्र रास्ता युद्ध था।	छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे हैं और अपनी कॉपी में नोट कर रहे हैं	20वीं शताब्दी तक यूरोप के सभी देशों में अपना साम्राज्य बढ़ कर दिया था।

Pragya College of Education

Topic.. Date.../...

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट कार्य
छात्र फ्रांस तथा जर्मनी के बीच शत्रुता	1870-71 के युद्ध फ्रांस की जर्मनी के हाथों शर्मनाक हार हुई थी इसे आर्थिक महत्व के दो प्रदेशों अल्सेस तथा लारेख थी जर्मनी से अपनी हार का बदला लेना चाहता है।	छात्र ध्यानपूर्वक अध्यापक की बात सुन रहे हैं।	1870-71 के युद्ध फ्रांस के जर्मनी के हाथों शर्मनाक हार हुई है इसे अपने आर्थिक महत्व के दो प्रदेशों अल्सेस तथा लारेंस भी जर्मनी को देने पड़े थे।
गुटों का निर्माण	यूरोप में चल रहे संघर्ष के कारण यूरोप में तनाव की स्थिति पैदा हो गई और यूरोप के देश परस्पर विरोधी गुटों में शामिल होने लगी वे अपनी सैनिक शक्ति भी बढ़ाने लगे और युद्ध को अनिवार्य बताने लगे		

Pragya College of Education

Topic..... Date..... 12

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट कार्य
यूरोप में संघर्ष	यूरोप में छः बड़ी शक्तियां ब्रिटेन, जर्मनी, आस्ट्रेलिया फ्रांस, हंगरी, रूस और इटली के बीच युद्धरूप से प्रायद्वीप के देशों पर प्रमुख के प्रसा का संघर्ष चल रहा था ये देश तुर्की साम्राज्य के अधीन था तुर्की साम्राज्य का पतन हो रहा है और सभी देश और उसकी कमजोरी का लाभ उठाना चाहते थे इसी उद्देश्य से ही रूस ने सर्विया द्वारा चलाए जा रहे स्वतंत्र आंदोलन को और अधिक भड़काने के प्रयास किए हैं।	ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं	यूरोप में छः बड़ी शक्तियां ब्रिटेन, जर्मनी आस्ट्रेलिया, फ्रांस, हंगरी, रूस और इटली के बीच मुख्य रूप से प्रायद्वीप के देशों पर संघर्ष चल रहा था।

Pragya College of Education

Teacher's Sign .....

Topic.. Date..............................

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट कार्य
तात्कालिक कारण	28 जून को आस्ट्रिया के राजकुमार आर्क ड्यूक फ्रांसीसी फर्डीनेण्ड तथा उसकी पत्नी को बोस्निया में गोली मारकर हत्या कर दी इस प्रकार प्रथम विश्वयुद्ध आरम्भ हुआ।	छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे हैं व अपनी कापी में लिख रहे हैं।	तात्कालिक कारण 28 जून को आस्ट्रिया के राजकुमार आर्क ड्यूक फ्रांसीसी तथा उसकी पत्नी को गोली मारकर हत्या कर दी

पुनरावृत्ति:-

(i) प्रथम विश्वयुद्ध कब प्रारम्भ हुआ था?
(ii) प्रथम विश्वयुद्ध का तात्कालिक कारण क्या था?
(iii) यूरोप की प्रमुख महाशक्तियों के नाम बताएं?

Teacher's Sign ....

Pragya College of Education

Topic.. Date..........................

गृहकार्य

प्रश्न : प्रथम विश्व युद्ध से आप क्या समझते हैं?

प्रश्न : प्रथम विश्वयुद्ध के क्या कारण थे? उन कारणों पर प्रकाश डालिए।

Pragya College of Education

Teacher's Sign ....